

MAIN NEWS HEADLINE नागपुर की दो बेटियों को 42 लाख की स्कॉलरशिप अजीम

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> गुड़िया और मुस्कान की बड़ी कामयाबी बीएससी बायोलॉजी और केमिस्ट्री में मलिा दाखलि...
- >> कसि छात्रा को मलिा कौन सा कोर्स?...
- >> स्कॉलरशिप की कुल राशि और वृत्तीय कवरेज...
- >> संघर्ष से सफलता तक बुनकर और कसिान परिवार की बेटियों ने रोशन कयिा नाम...
- >> बुनकर और कसिान परिवार की पृष्ठभूमि...
- >> आशा ज्ञान पुस्तकालय और लोक समर्ति का अहम योगदान मेंटर्स ने दरिखाया सही रास्ता...
- >> पुस्तकालय बना सफलता का केंद्र...
- >> मार्गदर्शन देने वाले प्रमुख मार्गदर्शक (Mentors)...
- >> कैसे हुआ चयन कठनि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा और साक्षात्कार से मलिी 100 स्कॉलरशिप...
- >> प्रवेश परीक्षा के विभिनिन चरण...
- >> नागपुर में जश्न का माहौल लोक समर्ति भवन में आयोजति हुआ भव्य सम्मान समारोह...
- >> स्थानीय जनप्रतनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थति...
- >> ग्रामीण क्षेत्र की अन्य छात्राओं के लिए नई प्रेरणा बनी बनारस की ये बेटियां...
- >> नष्िकर्ष (Conclusion)...
- >> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी के ग्रामीण अंचल से एक ऐसी प्रेरणादायक खबर सामने आई है, जसिने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर र्खीचा है। वाराणसी के राजातालाब (मरिजामुराद) क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागपुर की दो मेधावी बेटियों ने अपनी प्रतभिा के दम पर इतहिास रच दयिा है।

इन दोनों छात्राओं को देश के प्रतषिठति उच्च शक्तिषण संस्थान अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी (Azim Premji University) में 100% स्कॉलरशिप के साथ दाखलिा मलिा है। इस बड़ी कामयाबी के बाद न सरिफ उनके परिवारों में बल्क पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

यह सफलता इस मायने में बेहद र्वास है क्योकि दोनों बेटियां बेहद साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से ताल्लुक र्खती हैं। डिजिटल युग में जहां कोचिंग और महंगे संसाधनों की होड़ मची है, वही इन बेटियों ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग कर इस प्रतषिठति छात्रवृत्तिसूची (scholarship list 2026) में अपना स्थान पक्का कयिा है। शक्तिषा से जुड़ी ऐसी ही अन्य योजनाओं और उनके लाभ के बारे में जानने के लिए आपयूपी बोर्ड टॉप्स की मौज! 2 साल तक हर महीने मलिगी स्कॉलरशिपपर नवीनतम अपडेट देख सकते हैं।

गुड़िया और मुस्कान की बड़ी कामयाबी: बीएससी बायोलॉजी और केमिसि

वाराणसी के मरिजामुराद क्षेत्र की इन दो मेधावी छात्राओं का नाम गुड़िया और मुस्कान है। इन दोनों ने अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित चार साल के अंडरग्रेजुएट (UG Program) कोर्स में प्रवेश पाकर अपनी योग्यता को साबित किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक स्टेटस (selection status) के अनुसार दोनों को पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कसि छात्रा को मलिा कौन सा कोर्स?

>> गुड़िया:मेहंदीगंज की रहने वाली गुड़िया का चयन 4 वर्षीय बीएससी बायोलॉजी (B.Sc. Biology) प्रोग्राम के लिए हुआ है।

>> मुस्कान:परमानंदपुर की रहने वाली मुस्कान को 4 वर्षीय बीएससी केमिस्ट्री (B.Sc. Chemistry) प्रोग्राम में दाखला मिला है।

स्कॉलरशिप की कुल राशि और वित्तीय कवरेज

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा इन दोनों छात्राओं की चार साल की पढ़ाई, रहने और खाने का पूरा खर्च उठाया जाएगा। इसके लिए कुल 42 लाख 40 हजार रुपयेकी भारी-भरकम छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। इस वित्तीय पैकेज के तहत प्रत्येक छात्रा को 21 लाख 20 हजार रुपयेकी 100% स्कॉलरशिप दी जाएगी, जिससे उन्हें पढ़ाई के दौरान किसी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

संघर्ष से सफलता तक: बुनकर और कसिन परिवार की बेटियों ने रोशन

इस ऐतिहासिक सफलता की सबसे खूबसूरत बात इन छात्राओं की पारिवारिक पृष्ठभूमि है। गुड़िया और मुस्कान जिन परिवारों से आती हैं, वहां दैनिक जीवन यापन के लिए भी कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दोनों बेटियों के हौसले कभी डगमगाए नहीं।

बुनकर और कसिन परिवार की पृष्ठभूमि

इनमें से एक छात्रा का परिवार पारंपरिक बुनकर मजदूरी का काम करता है, जो बनारसी साड़ियों की बुनाई कर जैसे-तैसे अपना गुजारा चलाते हैं। वहीं दूसरी छात्रा का परिवार एक छोटा सीमांत कसिन परिवार है। ग्रामीण परिवेश में सीमित आय और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बावजूद इन बेटियों ने साबित कर दिया कि यदि प्रतिभा और दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी बाधा आपको आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती।

आज के समय में जहां एक तरफ समाज में विभिन्न प्रकार की सामाजिक विसंगतियां देखने को मिलती हैं, जैसे हाल ही में पुलिस विभाग की कार्रवाई में सामने आया था ककिरीना दुकान में टॉफी के साथ बकि रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!, वहीं दूसरी ओर नागपुर की इन बेटियों ने शिक्षा के मार्ग को चुनकर समाज के सामने एक सकारात्मक और अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है।

आशा ज्ञान पुस्तकालय और लोक समिति का अहम योगदान: मेंटर्स ने द

गुड़िया और मुस्कान की इस उड़ान में उनके माता-पिता के आशीर्वाद के साथ-साथ स्थानीय सामाजिक संस्थाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। दोनों छात्राएं प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागपुर में आशा ट्रस्ट और लोक समिति द्वारा संचालित आशा ज्ञान पुस्तकालय से लंबे समय से जुड़ी हुई थीं।

पुस्तकालय बना सफलता का केंद्र

आशा ज्ञान पुस्तकालय ने इन ग्रामीण छात्राओं को न केवल शांत वातावरण और नशिल्क पुस्तकें उपलब्ध कराईं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के बारे में जागरूक भी किया। इस पुस्तकालय के माध्यम से ही उन्हें अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के इस विशेष छात्रवृत्ति कार्यक्रम की जानकारी मिली थी।

मार्गदर्शन देने वाले प्रमुख मार्गदर्शक (Mentors)

छात्राओं को इस मुकाम तक पहुंचाने में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

- >> पंचमुखी सहि:संयोजक, आशा ज्ञान पुस्तकालय (जन्होंने हर कदम पर संबल दिया)।
- >> नंदलाल मास्टर:संयोजक, लोक समिति (जन्होंने परीक्षा की बारीकियों से अवगत कराया)।
- >> अन्य सहयोगी:अवनीश, सीएलई ट्रस्ट के राहुल पाण्डेय, शालिनी, सरति और लीला बहन सदिधार्थ जी।

कैसे हुआ चयन: कठिन राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा और साक्षात्कार

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी में 100% स्कॉलरशिप के साथ दाखला पाना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहद पारदर्शी और कठिन चयन प्रक्रिया का आयोजन करता है, जिसमें देश भर के हजारों मेधावी छात्र भाग लेते हैं।

प्रवेश परीक्षा के विभिन्न चरण

लोक समिति के संयोजक नंदलाल मास्टर ने इस प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय मुख्य रूप से आर्थिक

रूप से कमजोर (EWS) लेकिन शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट छात्रों को लक्षित करता है। चयन प्रक्रिया के प्रमुख चरण इस प्रकार हैं:

>> राष्ट्रीय स्तर की लिखित परीक्षा: इसमें छात्रों की तार्किक क्षमता, अंग्रेजी भाषा और मुख्य विषयों के ज्ञान का कड़ा परीक्षण किया जाता है।

>> व्यक्तिगत साक्षात्कार (Interview): लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को कड़े इंटरव्यू से गुजरना पड़ता है, जहां उनकी सोच और सामाजिक समझ को परखा जाता है।

>> दस्तावेज सत्यापन और बैकग्राउंड चेक: इसके बाद छात्रों की आर्थिक स्थिति की सत्यता की जांच की जाती है ताकि स्कॉलरशिप केवल जरूरतमंदों को ही मिले।

इन सभी चरणों को सफलतापूर्वक पार करने के बाद ही फाइनल मेरिट लिस्ट (final PDF selection list) जारी की जाती है, जिसमें गुड़िया और मुस्कान ने बाजी मारी। अब वे बेंगलुरु और भोपाल स्थित कैंपस में अपने सुनहरे भविष्य की शुरुआत करेंगी।

नागपुर में जश्न का माहौल: लोक समिति भवन में आयोजित हुआ भव्य

रविवार को जैसे ही आधिकारिक परिणाम और स्कॉलरशिप की खबर गांव पहुंची, पूरे नागपुर और मरिजामुराद क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खुशी साझा करने और दोनों मेधावी बेटियों का हौसला बढ़ाने के लिए लोक समिति पुस्तकालय भवन में एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति

इस सम्मान समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों और प्रशासनिक प्रतिनिधियों ने हसिसा लिया। कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित प्रमुख व्यक्तित्व मौजूद रहे:

>> मुकेश कुमार (ग्राम प्रधान, नागपुर): उन्होंने बेटियों को मठिई खलाई और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी।

>> अमति कुमार (ग्राम प्रधान, गंजारी): उन्होंने छात्राओं को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

>> सुरजीत गुप्ता (पंचायत सचिव): उन्होंने इस सफलता को सरकारी और सामाजिक प्रयासों का एक बेहतरीन समन्वय बताया।

इस अवसर पर अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी भोपाल में पहले से पढ़ाई कर रहे सीनियर स्कॉलर छात्र जैसे अनीष, सोनी, अरवि, मनीष के साथ-साथ पुस्तकालय से जुड़े दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे, जिससे जूनियर छात्रों को भी आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली। यदि आप भी वर्ष 2026 में किसी बैंक से संबंधित कार्य के लिए योजना बना रहे हैं, तो छुट्टियों के कारण होने वाली असुविधा से बचने के लिए साल 2026 में 100 दिन से ज्यादा बंद रहेंगे बैंक, चेक करें पूरी लिस्ट पर जाकर आधिकारिक कैलेंडर को ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र की अन्य छात्राओं के लिए नई प्रेरणा बनी बनार

गुड़िया और मुस्कान की यह सफलता केवल दो परिवारों की जीत नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत की उन लाखों बेटियों की उम्मीदों की जीत है जो वित्तीय अभाव के कारण अपने सपनों को दबा देती हैं। वाराणसी के एक छोटे से गांव से निकलकर देश की शीर्ष यूनिवर्सिटी तक पहुंचने का यह सफर अन्य बालिकाओं के लिए एक नज़ीर पेश करता है।

इस चयन के बाद दोनों छात्राओं ने बेहद भावुक होकर अपनी संस्था, मेंटर्स और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अपनी पढ़ाई पूरी कर वापस अपने समाज और गांव के विकास के लिए काम करना है। यह बदलाव इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में सही मार्गदर्शन और पुस्तकालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो हमारे गांवों से भी वैश्विक स्तर के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और मार्गदर्शक निकल सकते हैं।

निष्कर्ष (Conclusion)

वाराणसी की गुड़िया और मुस्कान को मिला 42.40 लाख रुपये की यह ऐतिहासिक स्कॉलरशिप इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कदम नरितर चलते जिन के, शर्म उनका अवरोध हुआ, वजिय उन्ही को मलित्ती जग में, जनिका पावन नाम हुआ। विपरीत पारिवारिक और आर्थिक हालातों को दरकिनार कर, इन मेधावी बेटियों ने अपनी लगन, आशा ज्ञान पुस्तकालय के सहयोग और मेंटर्स के मार्गदर्शन से यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी में मिलने वाली यह वर्ल्ड-क्लास शिक्षा नश्चित रूप से उनके जीवन को एक नई दिशा देगी और समाज के अन्य वंचित वर्ग के बच्चों के मन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की एक नई अलख जगाएगी।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

वाराणसी के मरिजामुदाद क्षेत्र की दो मेधावी छात्राओं (गुड़िया और मुस्कान) को अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी में 100% स्कॉलरशिप के साथ स्नातक (UG) कोर्स में दाखला मिला है।

दोनों छात्राओं को मिलाकर कुल 42 लाख 40 हजार रुपये की स्कॉलरशिप मिली है। प्रत्येक छात्रा को उनकी 4 साल की पढ़ाई के लिए 21 लाख 20 हजार रुपये दिए जाएंगे।

चयनित छात्राओं के नाम गुड़िया (नवासी मेहंदीगंज, वाराणसी) और मुस्कान (नवासी परमानंदपुर, वाराणसी) हैं।

गुड़िया को बीएससी बायोलॉजी (B.Sc. Biology) और मुस्कान को बीएससी केमिस्ट्री (B.Sc. Chemistry) में प्रवेश मिला है।

ये छात्राएं बेहद साधारण परिवारों से आती हैं। इनमें से एक परिवार बुनकर मजदूर है और दूसरा किसान परिवार है।

ये छात्राएं प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागपुर में आशा ट्रस्ट और लोक समिति द्वारा संचालित आशा ज्ञान पुस्तकालय से जुड़ी थीं, जहां उन्हें सही मार्गदर्शन मिला।

इसके लिए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर एक लिखित प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले मेधावियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार (Interview) लिया जाता है।

इन छात्राओं का चयन यूनिवर्सिटी के बेंगलुरु और भोपाल स्थित कैंपस के अंडरग्रेजुएट (UG) प्रोग्राम के लिए हुआ है।

शुक्रवार को लोक समिति पुस्तकालय भवन में एक भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां मेधावी छात्राओं को मठिाई खलाकर और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य गेटरस में आशा पुस्तकालय के संयोजक पंचमुखी सहि, लोक समिति के संयोजक नंदलाल मास्टर, अवनीश, और सीएलई ट्रस्ट के राहुल पाण्डेय सहित कई स्वयंसेवक शामिल हैं।

हां, यह यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा और कड़े वित्तीय सत्यापन के बाद देश के अत्यंत प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पूरी पढ़ाई का खर्च (100% Scholarship) देती है।

इच्छुक छात्र अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर नवीनतम नोटिफिकेशन, पात्रता नियम, और स्कॉलरशिप लिस्ट की ऑनलाइन जांच (apply online status check) कर सकते हैं।